परियों को बेवकूफ बनाने वाली महिला

गुलाब इम्पे, चित्र : निक

परियों को बेवकूफ बनाने वाली महिला

गुलाब इम्पे, चित्र : निक

अध्याय 1

एक महिला थी जो पूरी दुनिया में सबसे अच्छे केक बनाती थी.

उसके क्रीमरोल बेहद स्वादिष्ट होते थे. टोस्ट कमाल के थे और बिस्कुट एकदम शानदार थे.

लेकिन उसके केक.... ज़रा अपनी सांस रोकें. उन्हें खरीदने के लिए दूर-दूर से लोग आते थे.

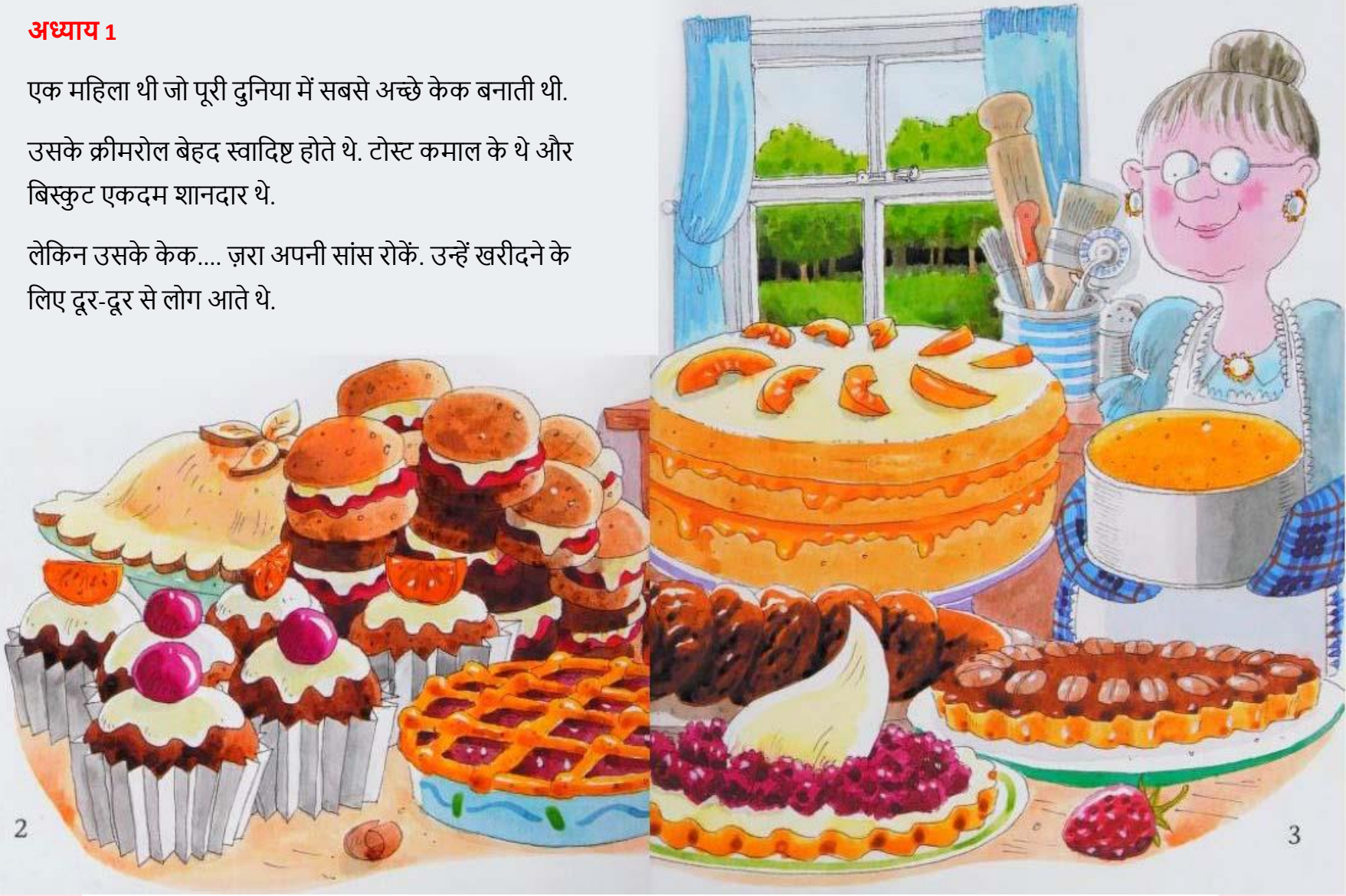

परियों को भी उस महिला के केक बहुत पसंद थे.

लेकिन परियां उन केकों को हर दिन खरीदना नहीं चाहती थीं.

परियां उस महिला की खिड़की के नीचे इंतजार करती थीं जिससे वो उसका केक उठाकर ले जाएँ.

उन्हें लगा कि महिला अपने केक को ठंडा होने के लिए खिड़की पर छोड़ देगी. लेकिन महिला ने वो नहीं किया. वो महिला बहुत समझदार थी.

फिर परियों ने आपस में चर्चा की, "अगर हम उसका केक नहीं चुरा सकते, तो हम केक बनाने वाली महिला को ही चुरा लेंगे!"

अध्याय 2

एक गर्मी की रात को महिला जंगल में से होकर घर जा रही थी.

पहले उसने कुछ छोटी-छोटी फुसफुसाहटें सुनीं.

फिर उसे अपने चेहरे के चारों ओर परियों के पंखों की फड़फड़ाहट महसूस हुई.

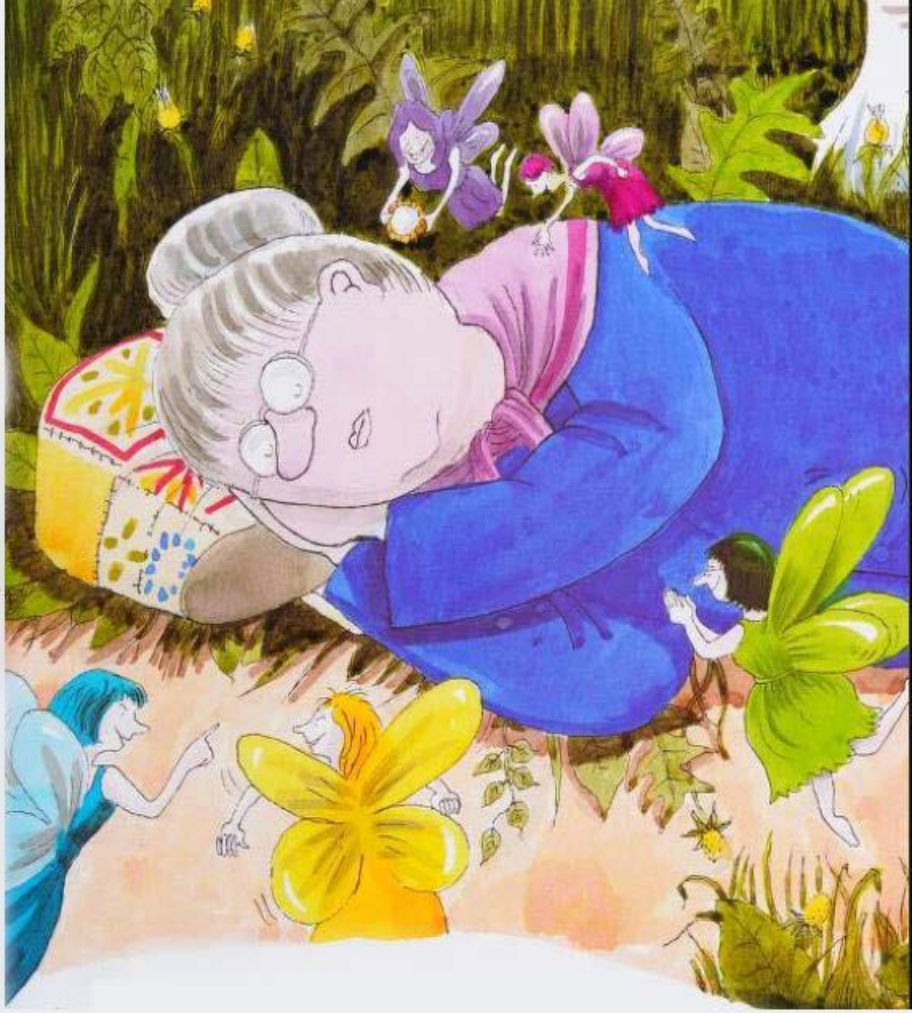

जल्द ही वो आगे और कोई कदम नहीं उठा पाई. वो बहुत थका महसूस कर रही थी. फिर वो लेट गई और उसने अपनी आँखें बंद कर लीं.

कुछ ही समय बाद परियां आटे की एक बोरी के साथ वापस आईं.

"क्या तुम हमारे लिए केक बनाओगी?" उन्होंने हाँफते हुए पूछा.

"मैं बनाऊंगी, मैं ज़रूर बनाऊंगी,," महिला ने कहा. "लेकिन चीनी कहाँ है?"

परियों को बहुत आश्चर्य हुआ. उनके पास चीनी नहीं थी.

"और मक्खन," महिला हँसी. "दोनों चीज़ें मेरी रसोई में हैं."

परियों ने बहुत तेजी से उड़ान भरी और वो चीनी और मक्खन वापिस लेकर आईं.

"अब तुम हमारे लिए केक बनाओगी?" उन्होंने बहुत जोर से पूछा.

"मैं बनाऊंगी," महिला ने कहा. "लेकिन उसके लिए मुझे अंडे भी चाहिए होंगे."

परियां अब गुस्से में लग रही थीं. उनके पास अंडे नहीं थे.

"मेरे किचन में एक दर्जन अंडे हैं," महिला ने उनसे कहा.

एक मिनट से भी कम समय में परियां अंडे लेकर वापस आ गईं.

परियां ख़ुशी में अंडों को हवा में उछाल रही थीं.

"अब तुम हमारे लिए केक बनाओगी?" परियां चिल्लाईं. इस बार वो पहले से कहीं ज्यादा खुश थीं.

"मैं बनाऊंगी, मैं बनाऊंगी," महिला ने कहा, "पर उसके लिए मुझे एक बड़ा कटोरा चाहिए होगा."

"एक कटोरा?" परियां अपनी छोटी-छोटी आवाजों में चिल्लाईं.

"मेरे किचन की अलमारी में एक बड़ा कटोरा है," महिला ने कहा.

"हाँ, और मेरा लकड़ी का चम्मच भी लाना," उसने परियों से कहा.

महिला के बड़े कटोरे को दस परियां मिलकर उठा पाईं.

फिर तीन परियों ने लकड़ी का चम्मच उठाया.

"अब तुम्हें हमारे लिए केक बनाना ही होगा?" परियां महिला पर चिल्लाईं.

परियों का स्वभाव ऐसा होता है कि वो बहुत जल्दी रूठ जाती हैं.

"मैं बनाऊंगी, मैं बनाऊंगी," महिला ने कहा. "अब मेरे पास वो सब कुछ है जो मुझे केक बनाने के लिए चाहिए."

अध्याय 3

सबसे पहले महिला ने मक्खन और चीनी को एक साथ फेंटा. फिर उसने अंडों को आटे में मिलाया.

परियां उस महिला को देखती रहीं. उनके छोटे-छोटे सिर चम्मच की गति के साथ गोल-गोल घूम रहे थे.

मिश्रण मिलाते समय महिला ने फिर सिर हिलाया. "मैं बेकिंग टिन के बिना केक कैसे बना सकती हूँ?"

"कहाँ है, कहाँ है बेकिंग टिन?" परियों ने पूछा और वो उसे लाने के लिए दरवाजे के बाहर दौड़ीं.

"बेकिंग टिन, सिंक के नीचे अलमारी में ..."

परियां जल्द ही वापस आईं, वो बेकिंग टिन को एक तबले की तरह पीट रही थीं. उस शोर से महिला के सिर में दर्द होने लगा.

उसने केक का मिश्रण, बेकिंग टिन डाल दिया.
फिर उसने अपने चारों ओर देखा.

"मैं इस केक को बेक कैसे करूंगी?" महिला ने पूछा. "मेरा बेकिंग टिन आपकी छोटी भट्टी (ओवन) में फिट ही नहीं होगा."
यह सुनकर परियों का फूट-फूट कर रोने का मन करा.
"बेशक," महिला ने कहा, "मेरे पास घर में एक अच्छा और बड़ा ओवन है ..."

इससे पहले कि महिला अपनी बात समाप्त करती, उसने खुद को हवा उड़ते हुए पाया.
अब तक सारी परियाँ उस महिला से पूरी तरह थक चुकी थीं.
परियां अब महिला को उठाकर उसके घर ले जा रही थीं.

वहां महिला सुरक्षित रूप से अपनी रसोई में उतरी. वहां वो परियों पर हंसने लगी.

तब परियों को पता चला कि महिला ने उन्हें अच्छी तरह बेवकूफ बनाया था. परियां अब इतनी उदास लग रही थीं कि महिला उन्हें देखकर बहुत दुखी हुई. महिला ने कहा कि वो तुरंत अपना केक बेक करेगी.

लेकिन परियां अब तक बहुत थक गईं थीं. वे सुस्ताने के लिए अपने घर उड़ गयीं.

अगली सुबह, जब केक ठंडा हो गया, तो महिला उसे परियों के महल में ले गई.

उसने केक वहां छोड़ दिया क्योंकि उसे पता था कि परियां उसे अवश्य ढूंढ लेंगी. परियों को जगाना बहुत शर्म की बात होगी क्योंकि उनकी बहुत व्यस्त रात रही थी!

कहानी का नक्शा

समाप्त